

नखरालो म्हारो श्याम धणी भजन लिरिक्स



ऐ के नखरे की पूछो काई बात,
नखरालो म्हारो श्याम धणी,
या का जग से निराला देख्या ठाठ,
नखरालो म्हारो श्याम धनी IbdI

देखे – श्याम नखरालो है।

हिरा मोती मुकुट पे साजे,
गल वैजंती माला,
आंख्या में काजल है कारो,
केसर तिलक निराला,
मेहंदी राचणी भी राच रही हाथ,
नखरालो म्हारो श्याम धनी IbdI

फुला रो श्रृंगार श्याम को,
भावे रंग बिरंगो,
बदल बदल के पहरो बागो,
बागो यो पचरंगो,
होवे ऐके ऊपर इतर री बरसात,
नखरालो म्हारो श्याम धनी IbdI

सेठा को ये सेठ सांवरो,
छुप्पन भोग लगावे,
खीर चूरमो माखन मिश्री,
सांवरिये ने भावे,
खावे माखनया तो आंगली ने चाट,
नखरालो म्हारो श्याम धनी IbdI

तीन बाण काँधे पर सोवे,
लीले करे सवारी,
नखराले म्हारे श्यामधणी की,
लीला जग में न्यारी,
देवे योतो हरदम हारयोड़ा रो साथ,
नखरालो म्हारो श्याम धनी IbdI

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



नखराले का देख के नखरो,
जग सारो हर्षावे,
नजर उतारे 'रोमी' आकी,
वारी वारी जावे,
नाचे कीर्तन माही सारी सारी रात,
नखरालो म्हारो श्याम धनी।bd।

ऐ के नखरे की पूछो काई बात,
नखरालो म्हारो श्याम धणी,
या का जग से निराला देख्या ठाट,
नखरालो म्हारो श्याम धनी।bd।

Singer – Sardar Romi Ji